मेरी मां अम्बे | By Ram Avtar Sharma |

मेरी मां अम्बे ओ जगदंबे मां
भक्त खड़े तेरे द्वार
री कृपा से नैया पार करो

ऊँचे पर्वत मात वैष्णो
तेरा सुंदर द्वार है
अर्धकुंवारी और भैरो
बाबा का अजब नज़ारा है
हे ज्वाला मां तेरी ज्योत का
इस जग में उजियारा है
जब भक्तों पे भीड़ पड़ी मां
तूने दिया सहारा है

दिल से ध्यावे मेवा पावे
कैसी आ रही अजब बहार
री कृपा से नैया पार करो

मेरी मां अम्बे ओ जगदंबे मां
भक्त खड़े तेरे द्वार
री कृपा से नैया पार करो

अन्नपूर्णा मात लक्ष्मी
अंधन के भंडार भरे
सहारनपुर की मां सकंभरी
दुखियों के सब दुख हरे
हरिद्वार में मनसा चंडी
सबकी इच्छा पूर्ण करे
और गंगा में स्नान करे से
पापी भी भव पार करे

दानव मारे, कार्य सारे
री मां सिंह पर हुई सवार मां
री कृपा से नैया पार करो

मेरी मां अम्बे ओ जगदंबे मां
भक्त खड़े तेरे द्वार
री कृपा से नैया पार करो

गुड़गांव की मात शीतला
भरती झोली खाली है
टूंपलाबाद की मात कालिका
तेरी शान निराली है
मां करौलीवाली जग में
दर्शन दे दो हे जगदंबे
दर पे खड़ा सवालिया है

झोली खाली मेहरावाली री
करती भक्तों से प्यार री

नैया को अब तुम पार करो

मेरी मां अम्बे ओ जगदंबे मां
भक्त खड़े तेरे द्वार
री कृपा से नैया पार करो

ध्वजा, नारियल और कलावा
तेरी भेंट चढ़ाऊं मैं
छवि दिखा दो मुझको अम्बे
दिल में खुशी मनाऊं मैं
नवरात्रों में जगदंबे
तेरा जागराता गाऊं मैं
खड़ा सवालिया शरण में मैया
दर झोली फैलाऊं मां

भव पार करो, सर हाथ धरो री
मैं मूढ़, मूर्ख गंवार री
कृपा से नैया पार करो

मेरी मां अम्बे ओ जगदंबे मां
भक्त खड़े तेरे द्वार
री कृपा से नैया पार करो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%82-%e0%a4%85%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ac%e0%a5%87-by-ram-avtar-sharma/